

## कानपुर 30/11/2022

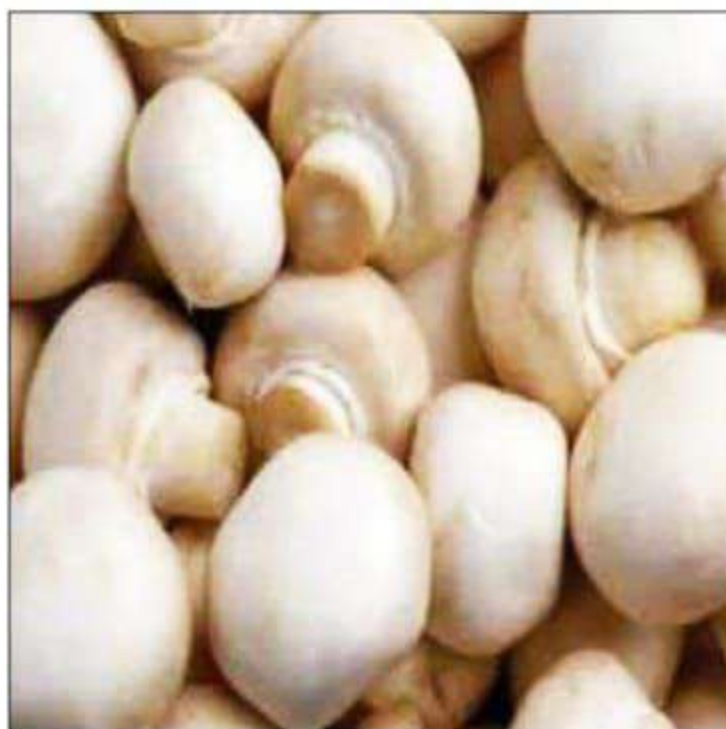
# मशरूम उत्पादन में लागत कम, मुनाफा अधिक

□ मशरूम में पायी जाती है 20 से 35 प्रतिशत उच्च कोटि की प्रोटीन-वैज्ञानिक डा. एस.के. विश्वास

कानपुर, 29 नवम्बर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के पादप रोग विज्ञान विभाग के प्रोफेसर एवं संयुक्त निदेशक शोध डॉ एस.के. विश्वास ने बताया कि मशरूम की खेती करना आय एवं स्वास्थ्य की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि कम लागत एवं कम समय में मशरूम की खेती कर अच्छा मुनाफा लिया जा सकता है। डॉ विश्वास ने बताया कि पोषक तत्व की प्रचुरता के दृष्टिकोण से मशरूम में पोषक तत्व अधिकांश सब्जियों की तुलना में अधिक पाए



डॉ एस.के. विश्वास।



रखता है साथ ही इसमें बहुमूल्य फोलिक एसिड की उपलब्धता होती है जो केवल मांसाहारी खाद्य पदार्थों से प्राप्त होता है। लौह तत्व एवं फोलिक एसिड के कारण यह रक्त की कमी की शिकार अधिक। ग्रामीण महिलाओं एवं बच्चों के लिए सर्वोत्तम आहार है। डॉ विश्वास ने बताया कि अधि

### आवश्यक सूचना

श्री आदित्य कुमार सिंह पुत्र स्व० श्री अजीत कुमार सिंह निवासी मकान सं. 117/पी/16, हितकारी नगर, काकादेव, कानपुर नगर के द्वारा इस कार्यालय में स्व० श्री अजीत कुमार सिंह पुत्र स्व० श्री फूल सिंह निवासी मकान नं० 117/पी/16, हितकारी नगर काकादेव, कानपुर नगर द्वारा निष्पादित वसीयतनामा विलेख दिनांक 20.10.2022 को रजिस्ट्रीकरण हेतु (मरणोपरान्त) प्रस्तुत किया गया है। उपरोक्त वसीयतनाम विलेख में श्री आदित्य कुमार सिंह पुत्र स्व० श्री अजीत कुमार सिंह दावेदार है।  
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त वसीयतनामा के सम्बन्ध में यदि कोई व्यक्ति अथवा संस्था अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना चाहे तो इस गजट के प्रकाशन की तिथि के 30 दिवस के अन्दर किसी भी कार्य दिवस में अपना दावा स्वयं, अपने प्रतिनिधि, अपने अधिवक्ता अथवा पंजीकृत डाक के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि के बाद प्रस्तुत दावा/आपत्ति साक्ष्य में ग्राह्य नहीं होगी तथा विलेख का निबन्धन नियमानुसार कर दिया जायेगा।  
(आलोक शुक्ला),  
उप निबन्धक सदर-चतुर्थ कानपुर नगर।

जाते हैं। मशरूम में 20 से 35 प्रतिशत उच्च कोटि की प्रोटीन पाई जाती है। मशरूम में विटामिन बी-1, बी-2, बी-3, बी-5, बी-9 (फोलिक एसिड), वसा, मिनरल्स, फाइबर, कार्बोहाइड्रेट पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। उन्होंने बताया कि 100 ग्राम मशरूम से 35 कैलोरी ऊर्जा प्राप्त होती है। इसमें सोडियम साल्ट नहीं पाया जाता है जिसके कारण मोटापे, गुर्दा तथा हृदय रोगियों के लिए आदर्श आहार है। उन्होंने बताया कि मशरूम में अरगोस्टेरोल पाया जाता है जो मानव शरीर के अंदर विटामिन डी में परिवर्तित हो जाता है। लौह तत्व उपलब्ध अवस्था में होने के कारण रक्त में हीमोग्लोबिन के स्तर को बनाए

- मशरूम उत्पाद प्रशिक्षण कार्यक्रम में लाभ ले चुके हैं सैकड़ों किसान
- मशरूम खाने से हीमोग्लोबिन का स्तर बनाये रखने में मिलती है मदद

विषाणु अवरोधी गुण पाए जाते हैं। इसका लगातार प्रयोग करने से ट्यूमर, मलेरिया, मिर्गी, कैंसर, मधुमेह, रक्त स्राव आदि रोगों से लड़ने की क्षमता प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि मशरूम की खेती महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे प्रतिदिन आय प्राप्त होती है। उन्होंने बताया कि धींगरी मशरूम लगाने के लिए गेहूं का भूसा, स्पान (बीज), पॉलिथीन बैग और फॉर्मएल्डिहाइड की आवश्यकता होती है। मशरूम उत्पादन के बाद बेकार पदार्थ से केंचुए की खाद (वर्मी कंपोस्ट) बनाई जा सकती है। जिससे मृदा का स्वास्थ्य भी कायम रखा जा सकता है।

राष्ट्रीय

# सहारा



कानपुर • बुधवार • 30 नवम्बर • 2022

## मशरूम की खेती से कम लागत में अधिक मुनाफा

पुर (एसएनबी)। ए कृषि एवं की विवि के पादप वैज्ञान विभाग के ए एवं संयुक्त क शोध डॉ.एसके स ने कहा है कि न कम समय व में मशरूम की खेती थिक मुनाफा हासिल करते हैं। मशरूम की स्वास्थ्य की दृष्टि से हृत्वपूर्ण है। पोषक की प्रचुरता को लेकर



पोषकतत्वों की प्रचुरता के चलते मशरूम है आदर्श आहार डॉ. एसके विश्वास

न अधिकांश सब्जियों की तुलना में समृद्ध है। यह मोटापा से गस्त लोगों, हृदर योगियों के लिए आदर्श आहार न्होंने कहा कि मशरूम की खेती ए भी महत्वपूर्ण है कि इससे प्रतिदिन प्राप्त होती है। मशरूम उत्पादन के बाद पदार्थ से केंचुए की खाद (वर्मी ट) बनाकर मृदा को स्वस्थ रखा जा है।

डॉ. विश्वास ने बताया कि मशरूम में

20 से 35 प्रतिशत तक उच्च कोटि की प्रोटीन पाई जाती है। इसमें विटामिन वी1, वी2, वी3, वी5, वी9 (फोलिक एसिड), वसा, मिनरल्स, फाइबर व कार्बोहाइड्रेट पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। उन्होंने बताया कि 100 ग्राम मशरूम में 35 कैलोरी ऊर्जा प्राप्त होती है। मशरूम में अरगोस्टेरोल भी पाया जाता है तो मानव शरीर के अंदर विटीमिन डी में परिवर्तित हो जाता है। इसमें लौहत्व पर्याप्त होने पर यह रक्त में हीमोग्लोबिन के

स्तर को बनाये रखता है। मशरूम में फोलिक एसिड भी होता है तो केवल मांसाहारी खाद्य पदार्थों से प्राप्त होता है। लौहत्व व फोलिक एसिड के कारण यह रक्त की कमी की शिकार अधिकांश ग्रामीण महिलाओं व बच्चों के लिए सर्वोत्तम आहार है।

उन्होंने बताया कि औषधि के दृष्टिकोण से इसमें फफूंदी, जीवाणु एवं विषाणु अवरोधी गुण भी पाये जाते हैं। इसका लगातार सेवन करने से ट्यूमर, मलेरिया, मिर्गी, कैंसर, मधुमेह, रक्त स्राव आद रोगों से लड़ने की क्षमता मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि मशरूम की खेती का ज्ञान कराने के लिए विवि में समय-समय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाये जाते हैं।

## मशरूम की खेती से कम समय एवं कम लागत में कमाए अधिक मुनाफा: डॉक्टर एस के विश्वास

रुदि ग्राम टुडे, कानपुर।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के पादप रोग विज्ञान विभाग के प्रोफेसर एवं संयुक्त निदेशक शोध डॉ एसके विश्वास ने बताया कि मशरूम की खेती करना आय एवं स्वास्थ्य की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि कम लागत एवं कम समय में मशरूम की खेती कर अच्छा मुनाफा लिया जा सकता है। डॉ विश्वास ने बताया कि पोषक तत्व की प्रचुरता के दृष्टिकोण से मशरूम में पोषक तत्व अधिकांश सब्जियों की तुलना में अधिक पाए जाते हैं। मशरूम में 20 से 35% उच्च कोटि की प्रोटीन पाई जाती है। मशरूम में विटामिन बी1, बी 2, बी 3, बी5बी 9 ( फोलिक एसिड), वसा, मिनरल्स, फाइबर, कार्बोहाइड्रेट पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। उन्होंने बताया कि 100 ग्राम मशरूम से 35 कैलोरी ऊर्जा प्राप्त होती है। इसमें सोडियम साल्ट नहीं पाया जाता है जिसके कारण मोटापे, गुर्दा तथा हृदय रोगियों के लिए आदर्श आहार है। उन्होंने बताया कि मशरूम में अरगोस्टेरोल पाया जाता है जो



मानव शरीर के अंदर विटामिन डी में परिवर्तित हो जाता है। लौह तत्व उपलब्ध अवस्था में होने के कारण रक्त में हीमोग्लोबिन के स्तर को बनाए रखता है साथ ही इसमें बहुमूल्य फोलिक एसिड की उपलब्धता होती है जो केवल मांसाहारी खाद्य पदार्थों से प्राप्त होता है। लौह तत्व एवं फोलिक एसिड के कारण यह रक्त की कमी की शिकार अधिकांश ग्रामीण महिलाओं एवं बच्चों के लिए सर्वोत्तम आहार है। डॉ विश्वास ने बताया कि औषधि दृष्टिकोण से इसमें फफूंदी, जीवाणु एवं विषाणु अवरोधी गुण पाए जाते हैं।

इसका लगातार प्रयोग करने से ट्यूमर, मलेरिया, मिर्गी, कैंसर, मधुमेह, रक्त स्राव आदि रोगों से लड़ने की क्षमता प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि मशरूम की खेती महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे प्रतिदिन आय प्राप्त होती है। उन्होंने बताया कि धींगरी मशरूम लगाने के लिए गेहूं का भूसा, स्पान (बीज), पॉलिथीन बैग और फॉर्मएलिडहाइड की आवश्यकता होती है। मशरूम उत्पादन के बाद बेकार पदार्थ से केंचुए की खाद (वर्मी कंपोस्ट) बनाई जा सकती है। जिससे मृदा का स्वास्थ्य भी कायम रखा जा सकता है।



# जन एक्सप्रेस

## कृषि वैज्ञानिक ने गिनाए मशरूम के लाभ



**जन एक्सप्रेस, कानपुर नगर।**

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पादप रोग विज्ञान विभाग के प्रोफेसर एवं संयुक्त निदेशक शोध डॉ.एस.के.विश्वास ने मंगलवार को मशरूम की खेती के बारे में जानकारी दी। उन्होंने

बताया कि मशरूम की खेती करना आय एवं स्वास्थ्य की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है। मशरूम में 20 से 35 फीसदी उच्च कोटि की प्रोटीन, विटामिन, फोलिक एसिड, वसा, मिनरल्स, फाइबर, कार्बोहाइड्रेट मिलने के साथ ही प्रति 100 ग्राम मशरूम से 35 कैलोरी ऊर्जा प्राप्त होती है। इसमें सोडियम साल्ट नहीं पाया जाता है जिसके कारण मोटापे, गुर्दा तथा हृदय रोगियों के लिए आदर्श आहार है। उन्होंने बताया कि मशरूम उत्पादन के बाद बेकार पदार्थ से केंचुए की खाद (वर्मी कंपोस्ट) बनाई जा सकती है। जिससे मृदा का स्वास्थ्य भी कायम रखा जा सकता है।

दैनिक

RNI N.UPHIN/2007/27090

# नगर छाया

आप की आवाज़.....

[www.nagarchhaya.com](http://www.nagarchhaya.com)

7

'धारावी बैंक' में माइकल के किरदार के अनुभव को कभी नहीं भूलें

## मशरूम की खेती से कम समय एवं कम लागत में अधिक मुनाफा: डॉ. एस के विश्वास

कानपुर (नगर छाया समाचार)।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के पादप रोग विज्ञान विभाग के प्रोफेसर एवं संयुक्त निदेशक शोध डॉ. एसके विश्वास ने बताया कि मशरूम की खेती करना आय एवं स्वास्थ्य की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि कम लागत एवं कम समय में मशरूम की खेती कर अच्छा मुनाफा लिया जा सकता है। डॉ. विश्वास ने बताया कि पोषक तत्व की प्रचुरता के दृष्टिकोण से मशरूम में पोषक तत्व अधिकांश सब्जियों की तुलना में अधिक पाए जाते हैं। मशरूम में 20 से 35 प्रतिशत उच्च कोटि की प्रोटीन पाई जाती है। मशरूम में विटामिन बी1, बी2, बी3, बी5, बी9 (फोलिक एसिड), वसा, मिनरल्स, फाइबर, कार्बोहाइड्रेट पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। उन्होंने बताया कि 100 ग्राम मशरूम से 35 कैलोरी ऊर्जा प्राप्त होती है। इसमें सोडियम साल्ट नहीं पाया जाता है जिसके कारण मोटापे, गुर्दा तथा हृदय रोगियों के लिए आदर्श आहार है। उन्होंने बताया कि मशरूम में अरगोस्टेरोल पाया जाता है जो मानव शरीर के अंदर विटामिन डी में परिवर्तित हो जाता है। लौह तत्व उपलब्ध अवस्था में होने के कारण रक्त में हीमोग्लोबिन के स्तर को बनाए रखता है साथ ही इसमें बहुमूल्य फोलिक एसिड की उपलब्धता होती है जो केवल मांसाहारी खाद्य पदार्थों से प्राप्त होता है। लौह तत्व एवं फोलिक एसिड के कारण यह रक्त की कमी की शिकार अधिकांश ग्रामीण महिलाओं



एवं बच्चों के लिए सर्वोत्तम आहार है। डॉ. विश्वास ने बताया कि औषधि दृष्टिकोण से इसमें फफूंदी, जीवाणु एवं विषाणु अवरोधी गुण पाए जाते हैं। इसका लगातार प्रयोग करने से ट्यूमर, मलेरिया, मिर्गी, कैंसर, मधुमेह, रक्त स्राव आदि रोगों से लड़ने की क्षमता प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि मशरूम की खेती महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे प्रतिदिन आय प्राप्त होती है। उन्होंने बताया कि धोंगरी मशरूम लगाने के लिए गेहूं का भूसा, स्पान (बीज), पॉलिथीन बैग और फॉर्मएलिडहाइड की आवश्यकता होती है। मशरूम उत्पादन के बाद बेकार पदार्थ से कंचुए की खाद (वर्मी कंपोस्ट) बनाई जा सकती है। जिससे मृदा का स्वास्थ्य भी कायम रखा जा सकता है।

# मशरूम की खेती से कम समय एवं कम लागत में अधिक मुनाफा: एस.के. विश्वास

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के पादप रोग विज्ञान विभाग के प्रोफेसर एवं संयुक्त निदेशक शोध डॉ एसके विश्वास ने बताया कि मशरूम की खेती करना आय एवं स्वास्थ्य की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि कम लागत एवं कम समय में मशरूम की खेती कर अच्छा मुनाफा लिया जा सकता है। डॉ विश्वास ने बताया कि पोषक तत्व की प्रचुरता के दृष्टिकोण से मशरूम में पोषक तत्व अधिकांश

सब्जियों की तुलना में अधिक पाए जाते हैं। मशरूम में 20 से 35 प्रतिशत उच्च कोटि की प्रोटीन पाई जाती है। मशरूम में विटामिन B1, B2, B3, B5, B9 (फोलिक एसिड), वसा, मिनरल्स, फाइबर, कार्बोहाइड्रेट पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। उन्होंने बताया कि 100 ग्राम मशरूम से 35 कैलोरी ऊर्जा प्राप्त होती है। इसमें सोडियम साल्ट नहीं पाया जाता है जिसके कारण मोटापे, गुर्दा तथा हृदय रोगियों के लिए आदर्श आहार है। उन्होंने बताया कि मशरूम में



अरगोस्टेरोल पाया जाता है जो मानव शरीर के अंदर विटामिन डी में परिवर्तित हो जाता है। लौह तत्व उपलब्ध अवस्था में होने के कारण रक्त में हीमोग्लोबिन के स्तर को बनाए रखता है साथ ही इसमें बहुमूल्य फोलिक एसिड की उपलब्धता होती है जो केवल मांसाहारी खाद्य पदार्थों से प्राप्त होता है। लौह तत्व एवं फोलिक एसिड के कारण यह रक्त की कमी की शिकार अधिकांश ग्रामीण महिलाओं एवं



बच्चों के लिए सर्वोत्तम आहार है। डॉ विश्वास ने बताया कि औषधि दृष्टिकोण से इसमें फफूंदी, जीवाणु एवं विषाणु अवरोधी गुण पाए जाते हैं। इसका लगातार प्रयोग करने से ट्यूमर, मलेरिया, मिर्गी, कैंसर, मधुमेह, रक्त स्राव आदि रोगों से लड़ने की क्षमता प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि मशरूम की खेती महत्वपूर्ण है क्योंकि

इससे प्रतिदिन आय प्राप्त होती है। उन्होंने बताया कि धौंगरी मशरूम लगाने के लिए गेहूँ का भूसा, स्पान (बीज), पॉलिथीन बैग और फॉर्मएल्डहाइड की आवश्यकता होती है। मशरूम उत्पादन के बाद बेकार पदार्थ से केंचुए की खाद (वर्मी कंपोस्ट) बनाई जा सकती है। जिससे मृदा का स्वास्थ्य भी कायम रखा जा सकता है।

